अध्याय 2

राजस्थान : एक सामान्य परिचय

हमने पिछले अध्याय में हमारे देश भारत के बारे में पढ़ा। भारत के उत्तरी–पश्चिमी भाग में हमारा राज्य राजस्थान स्थित है। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। क्या आप जानते हैं कि राजस्थान में भौतिक प्रदेश कितने हैं? जिलों की संख्या कितनी है? यहाँ की जलवायु कैसी है? आइए हमारे राज्य से सम्बंधित इन सभी प्रश्नों के उत्तर इस अध्याय में खोजते हैं।

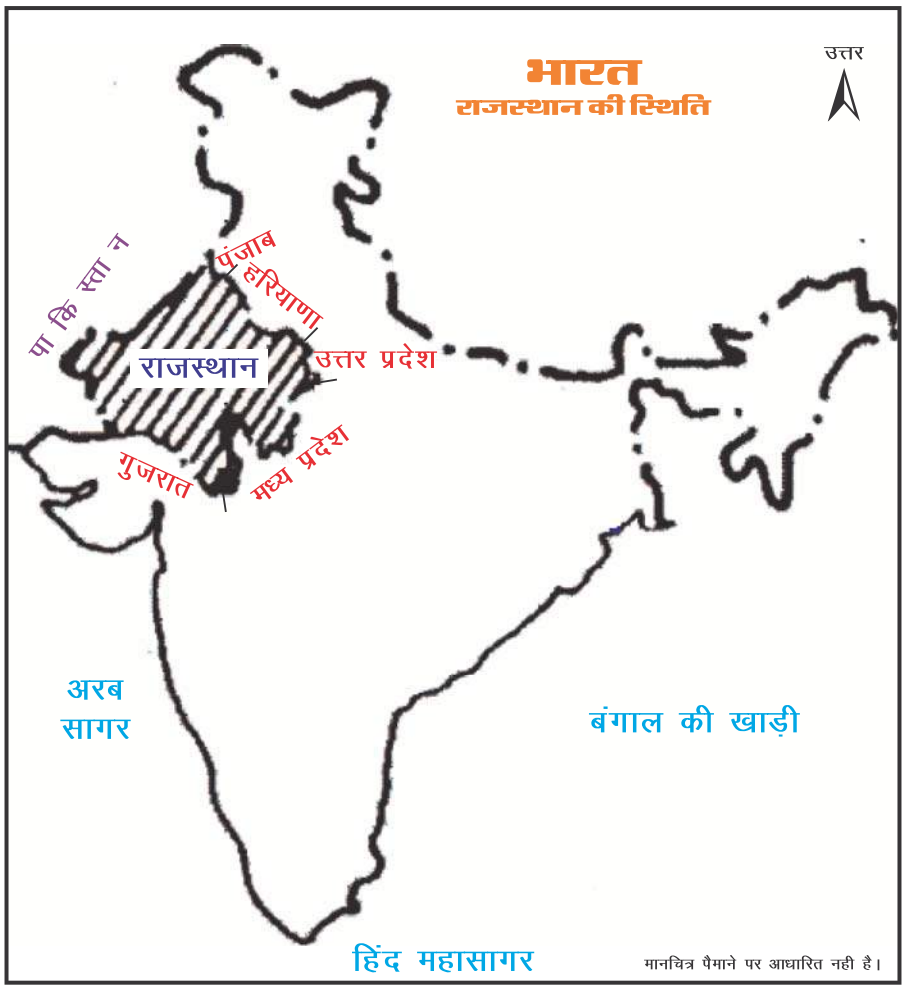

आओ करके देखें–

भारत के उपर्युक्त मानचित्र को देखकर पता लगाइए कि–

1. राजस्थान की सीमा किस एकमात्र देश से मिलती है?
2. राजस्थान के पड़ौसी राज्यों के नाम बताइए –

   क. उत्तर में ..... ख. पूर्व में .....

   ग. दक्षिण–पूर्व में ..... घ. दक्षिण में .....

राजस्थान

राजनीतिक मानचित्र

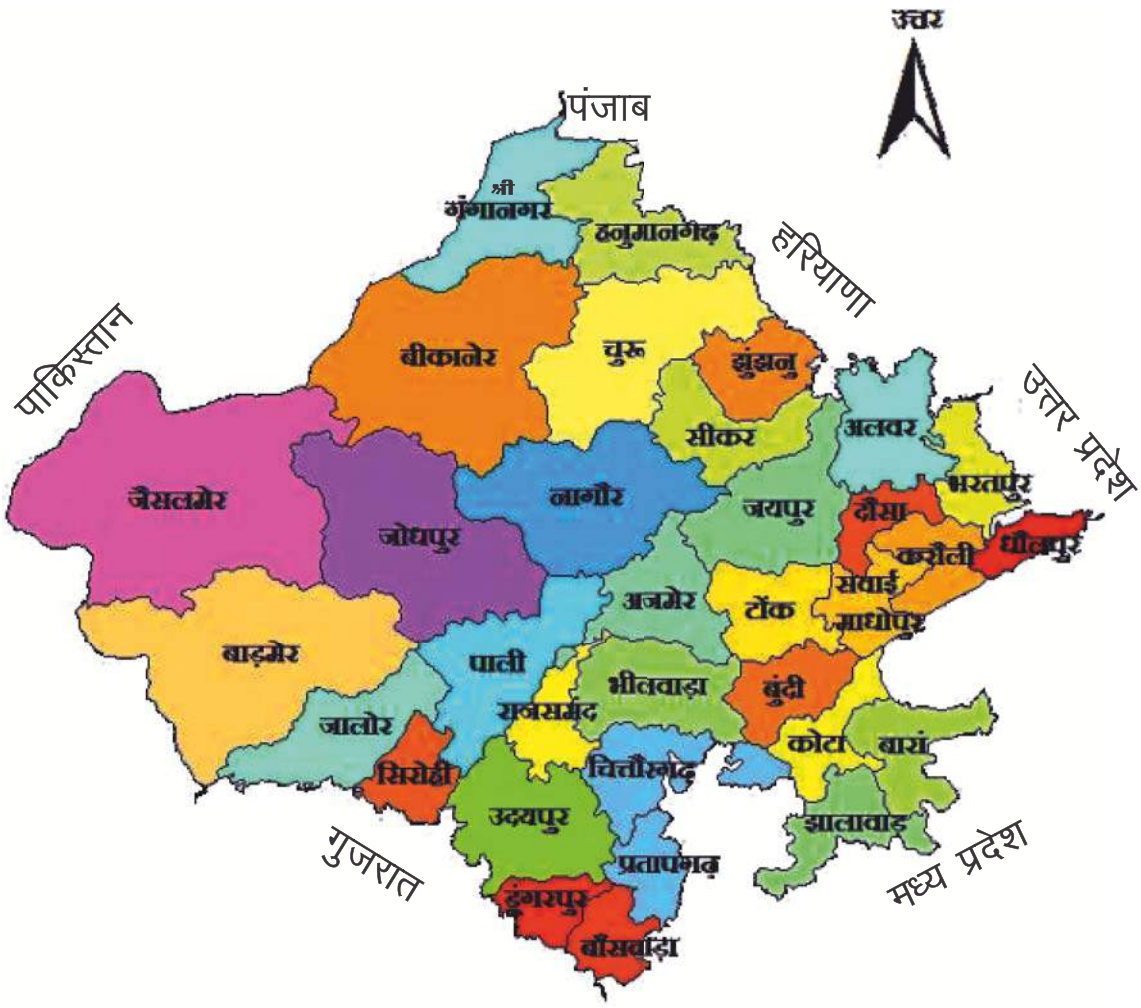

मानचित्र पैमाने पर आधारित नहीं है।

आओ करके देखें–

राजस्थान के उपर्युक्त मानचित्र को देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. राजस्थान के सभी जिलों की सूची बनाइए।
2. राजस्थान के सबसे उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी व पश्चिमी जिलों के नाम लिखिए।
3. राजस्थान के कौन–कौन से जिले पाकिस्तान की सीमा पर स्थित हैं?
4. राजस्थान के पड़ौसी राज्यों के साथ सीमा बनाने वाले जिलों की पहचान कीजिए।

वर्तमान राजस्थान स्वतंत्रता से पूर्व 19 रियासतें, 3 ठिकाने और 1 केन्द्र शासित प्रदेश में विभक्त था। सन् 1948 से 1956 तक राज्य की तत्कालीन सभी रियासतों, ठिकानों एवं केन्द्र शासित प्रदेश का एकीकरण कर आज के राजस्थान राज्य का निर्माण किया गया। इसके विषय में विस्तार से आप इतिहास के अध्यायों में पढ़ेंगे।

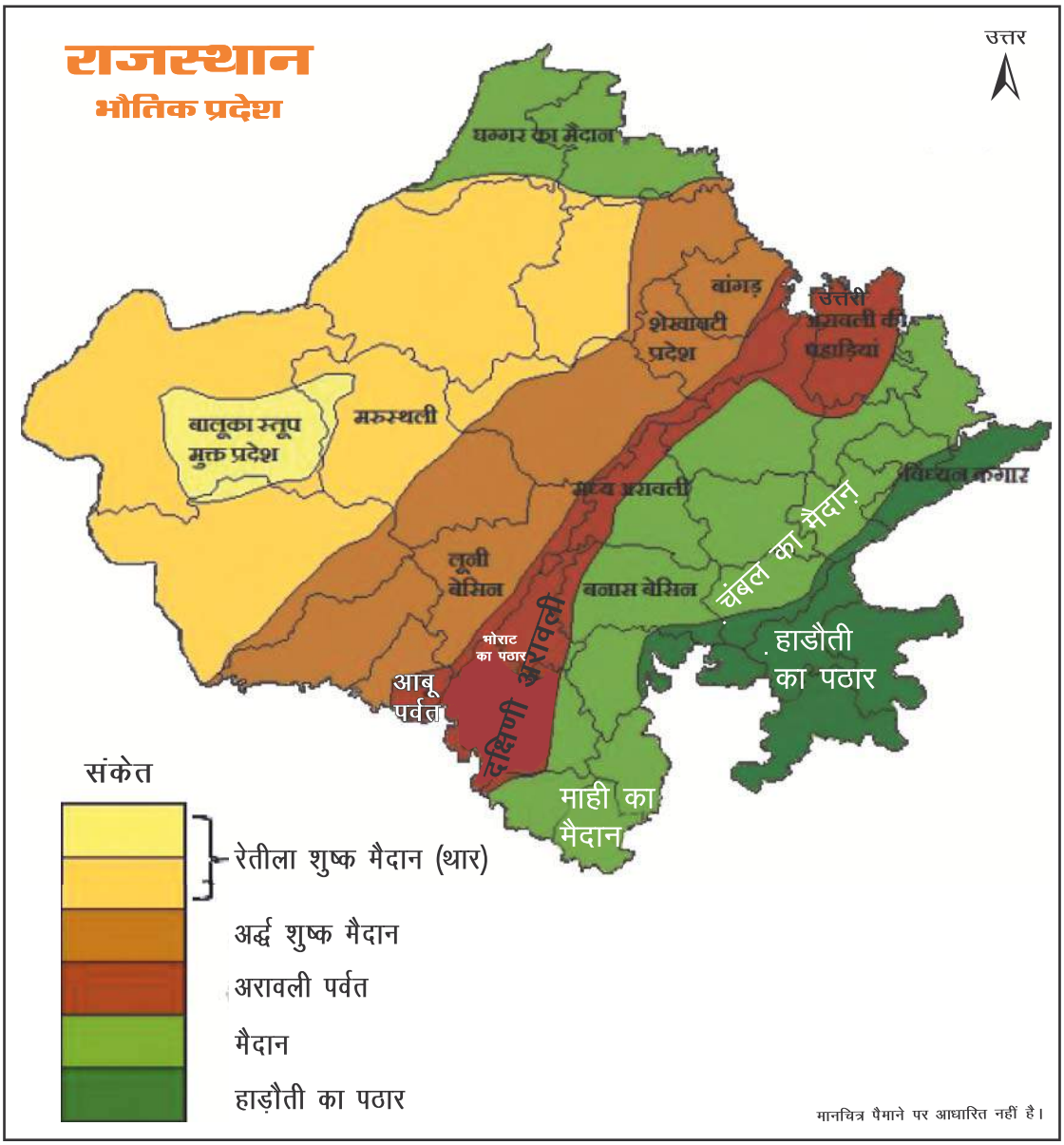

भौतिक स्वरूप

हमारा राज्य देश के एक विस्तृत भू–भाग पर फैला है। राजस्थान का भौतिक स्वरूप अत्यंत विविधता युक्त है। राज्य में स्थित अरावली पर्वत विश्व के प्राचीनतम पर्वतों में से एक है तो वहीं दूसरी ओर उत्तरी–पूर्वी भाग में स्थित चंबल नदी द्वारा निर्मित मैदान नवीनतम भू–भाग है। भू–संरचना के आधार पर

राजस्थान को चार भौतिक भागों में बाँटा जा सकता है, जो निम्न प्रकार से हैं–

थार का मरूस्थल– भारत के पश्चिम में पाकिस्तान की सीमा से लेकर मध्य राजस्थान में अरावली तक राजस्थान के पश्चिमी भाग में विशाल थार का मरुस्थल स्थित है। यह राज्य के 12 जिलों में लगभग 61 प्रतिशत भाग पर फैला हुआ है। यहाँ राजस्थान की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। इसका ढाल पश्चिम में पाकिस्तान की ओर है। यह मरुस्थल विश्व के सभी मरुस्थलों की तुलना में अधिक जन घनत्व, पशु घनत्व, वर्षा, खनिज विविधता, वनस्पति, कृषि, सिंचाई के साधन, सर्वाधिक जैव विविधता पाई जाती है इसलिए इसे विश्व का सबसे धनी मरुस्थल कहा जाता है।

बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर में स्थित मरुस्थलीय भाग को भारतीय महामरुस्थल (Great Indian Desert) कहा जाता है। इस क्षेत्र में रेतीली मिट्टी एवं रेत के टीले पाये जाते हैं जो हवा के साथ अपना स्थान बदल देते हैं। इन टीलों को 'बालुका स्तूप' या स्थानीय भाषा में 'धोरे' कहते हैं। यहाँ मरुस्थलीय वनस्पति पाई जाती है, जिनकी लम्बाई कम, पत्तियाँ छोटी एवं मोटी, तना छोटा, जड़े गहरी होती हैं। प्रमुख वृक्षों में रोहिडा, (इसका फूल राजस्थान का राज्य पुष्प है) खेजड़ी, (राजस्थान का राज्य वृक्ष है) पीलू आदि हैं। कैर, आक, थोर, लाणा, फोग, आरणा आदि प्रमुख झाड़ियाँ हैं तथा सेवण, धामण, करड़ आदि प्रमुख घासें हैं। थार के मरुस्थल का अधिकांश भूमिगत जल खारा है। इंदिरा गांधी नहर से सतलज नदी के पानी को यहाँ पहुंचा कर क्षेत्र में जल संकट को दूर करने का प्रयास किया गया है।

अरावली पर्वत–राजस्थान के मध्य भाग में दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व दिशा में राज्य के लगभग 9 प्रतिशत भाग पर अरावली पर्वत फैला है। यह विश्व के सबसे प्राचीन पर्वतों में से एक है, जो दक्षिण में गुजरात के खेडब्रह्मा से उत्तर में दिल्ली तक 692 किलोमीटर लंबा है। अरावली पर्वत राजस्थान को दो प्रमुख भागों में विभाजित करता है–पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान। अरावली क्षेत्र ही राजस्थान का सबसे ऊँचा क्षेत्र है।

राज्य के खनिज संसाधन, मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को रोकना, अधिकांश नदियों का उद्गम स्थान, सर्वाधिक वनस्पति और अधिकांश वन्य जीव एवं जड़ी–बूटियों की उपस्थिति, मानसून को रोककर पूर्वी एवं दक्षिणी राजस्थान में वर्षा करवाना आदि कारणों से अरावली को राजस्थान की 'जीवन रेखा' कहा जाता है। राजस्थान में अरावली पर्वत की सबसे ऊँची पर्वत चोटी गुरुशिखर (1722 मीटर) है जो सिरोही जिले में स्थित है।

पूर्वी मैदान–राजस्थान का पूर्वी मैदानी भाग चंबल, बनास, बाणगंगा एवं उनकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित है, जो विस्तृत रूप में गंगा के मैदान का ही हिस्सा है। राज्य के लगभग 23 प्रतिशत भाग पर फैले इस मैदान का चंबल नदी के आसपास का क्षेत्र नाली अपरदन के कारण अत्यधिक उबड़–खाबड़ हो गया है, जिसे चंबल के बीहड़ या डांग या उत्खात भूमि (Bad Land Topography) के नाम से जाना जाता है। ये बीहड़ चंबल नदी के सहारे कोटा से धौलपुर तक विस्तृत है। राजस्थान के सबसे उपजाऊ एवं सर्वाधिक जनघनत्व वाले इस क्षेत्र में राजस्थान की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

राजस्थान के दक्षिणी भाग में बाँसवाड़ा व प्रतापगढ़ जिलों में माही और सहायक नदियों द्वारा निर्मित कुछ भाग मैदानी हैं जिसे माही का मैदान कहा जाता है। इस मैदानी क्षेत्र में छप्पन गावों एवं छप्पन नदी–नालों का समूह है जिसे 'छप्पन का मैदान' कहा जाता है।

दक्षिणी–पूर्वी पठार या हाडौती का पठार–राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी भाग को प्राचीन काल में हाड़ा वंशी शासकों का क्षेत्र होने के कारण हाड़ौती का पठार भी कहा जाता है। राज्य के लगभग 7 प्रतिशत भाग फैले इस पठारी क्षेत्र की अधिकांश मिट्टी लावा निर्मित मध्यम काली है, जो काफी उपजाऊ मिट्टी है। राजस्थान के अन्य पठारों में उड़िया, आबू, भोराट, मेसा, उपरमाल और लसाड़िया का पठार आदि हैं।

आओ करके देखें–

राजस्थान के मानचित्र को देखकर भौतिक प्रदेशों तथा उनमें स्थित प्रमुख जिलों के नाम लिखिए–

भौतिक प्रदेश का नाम	उसमें स्थित प्रमुख जिलों के नाम
1.....	.....
2.....	.....
3.....	.....
4.....	.....

जलवायु व ऋतु चक्र

राजस्थान की जलवायु पर भारत की मानसूनी जलवायु का स्पष्ट प्रभाव है। प्रदेश की अक्षांशीय स्थिति और भारतीय उपमहाद्वीप में उत्तर–पश्चिमी स्थिति, समुद्र से दूरी, अरावली पर्वत की स्थिति और प्रदेश के विस्तार के कारण राजस्थान देश का एकमात्र प्रदेश है जहाँ पाँच प्रकार की जलवायु परिस्थितियाँ पायी जाती हैं। जहाँ राज्य के पश्चिम में लगभग 61 प्रतिशत भाग में शुष्क और अर्द्धशुष्क मरूस्थलीय जलवायु हैं, वहीं अरावली के पूर्व में जयपुर एवं उत्तरी–पूर्वी जिलों में उपआर्द्र जलवायु, सवाई माधोपुर से लेकर उदयपुर तक आर्द्र जलवायु एवं दक्षिण में बांसवाड़ा व दक्षिण–पूर्व के झालावाड़ जिलों में अति आर्द्र जलवायु पाई जाती है।

राजस्थान की औसत वार्षिक वर्षा लगभग 57.51 सेमी. है, जबकि प्रदेश के मरुस्थलीय क्षेत्र में यह 50 से.मी. से भी कम है। जलवायु की औसत अवस्थाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि राजस्थान भारत के अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक शुष्क है।

राजस्थान में वर्षभर मुख्यतः तीन ऋतुएँ ग्रीष्म ऋतु (मार्च से जून), वर्षा ऋतु (जुलाई से सितम्बर) और शीत ऋतु (अक्टूबर से फरवरी) तक होती है।

ग्रीष्म ऋतु–इस ऋतु में तापमान सामान्यतः 30 से 40 डिग्री सेण्टीग्रेड के ऊपर रहता है। पश्चिमी राजस्थान में विशेषकर जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर, चूरू, आदि जिलों में 40 से 45 डिग्री सेण्टीग्रेड तक तापमान हो जाता है। थार मरुस्थल भारत का अत्यधिक गर्म प्रदेश है, जिसका कारण है

क्या आप जानते है?

राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली अत्यंत गर्म धूलभरी पवनों को 'लू' कहा जाता है। कभी–कभी इनकी गति 140 किमी. प्रति घंटा तक हो जाती है।

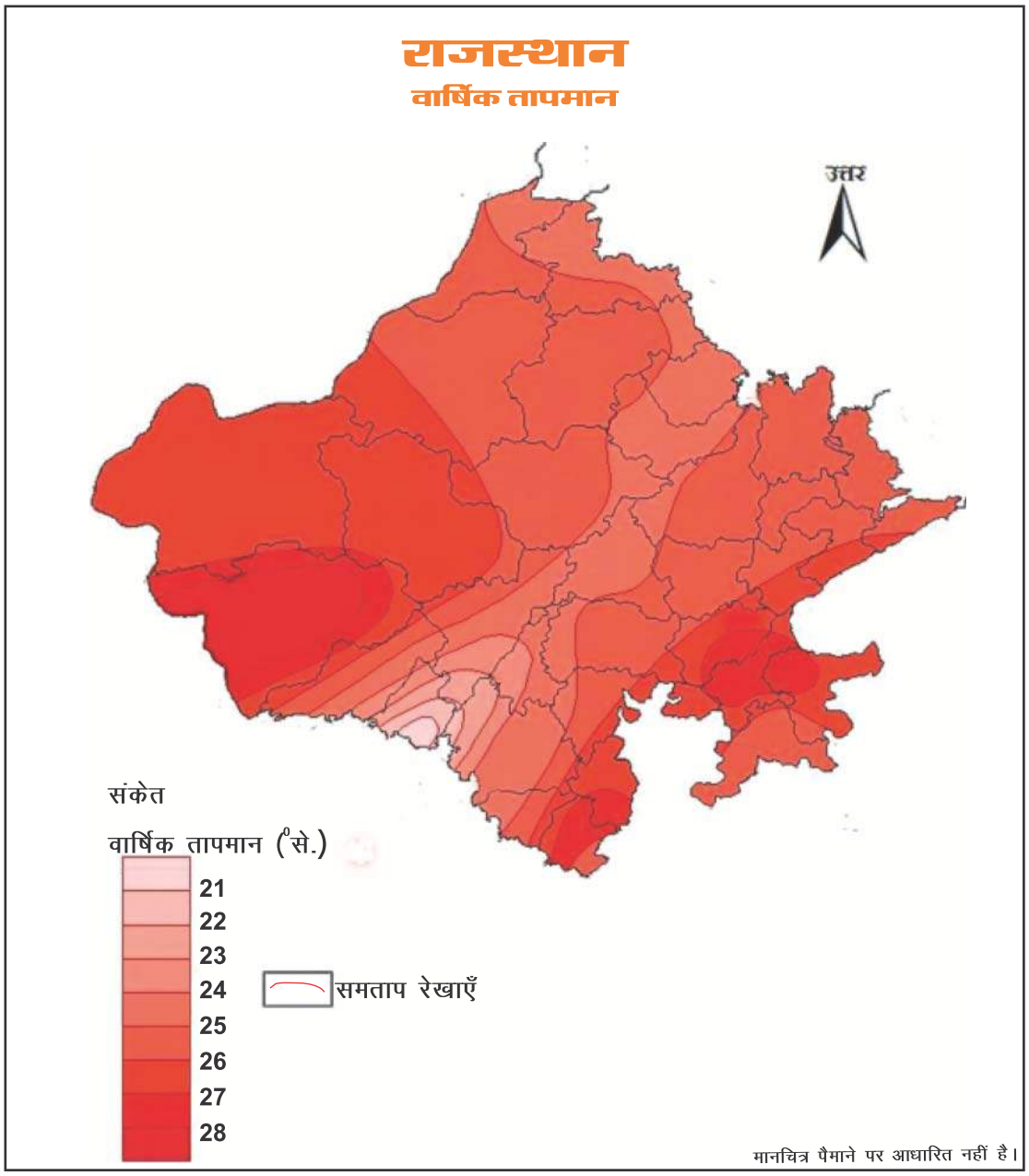

रेत। क्योंकि रेत जल्दी गर्म होती है एवं जल्दी ठण्डी होती है। अतः मरुस्थल में इस ऋतु में दिन का तापमान बहुत बढ़ जाता है और रात में कम हो जाता है। जिससे दैनिक एवं वार्षिक तापान्तर भी अधिक रहता है। इस ऋतु में राजस्थान का सबसे ठंडा स्थान माउंट आबू रहता है क्योंकि इसकी ऊँचाई अधिक है।

वर्षा ऋतु– राजस्थान की 90 से 95 प्रतिशत तक वर्षा इस ऋतु में होती है, जो मानसूनी पवनों से जुलाई से सितम्बर के मध्य होती है। यहाँ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों शाखाओं के मानसून से वर्षा होती है। लेकिन बंगाल की खाडी के मानसून से राजस्थान में अधिक वर्षा होती है जो अधिकांशतः पूर्वी राजस्थान में होती है। अरब सागर के मानसून से अधिकांश वर्षा दक्षिणी राजस्थान में होती है। सर्वाधिक वर्षा

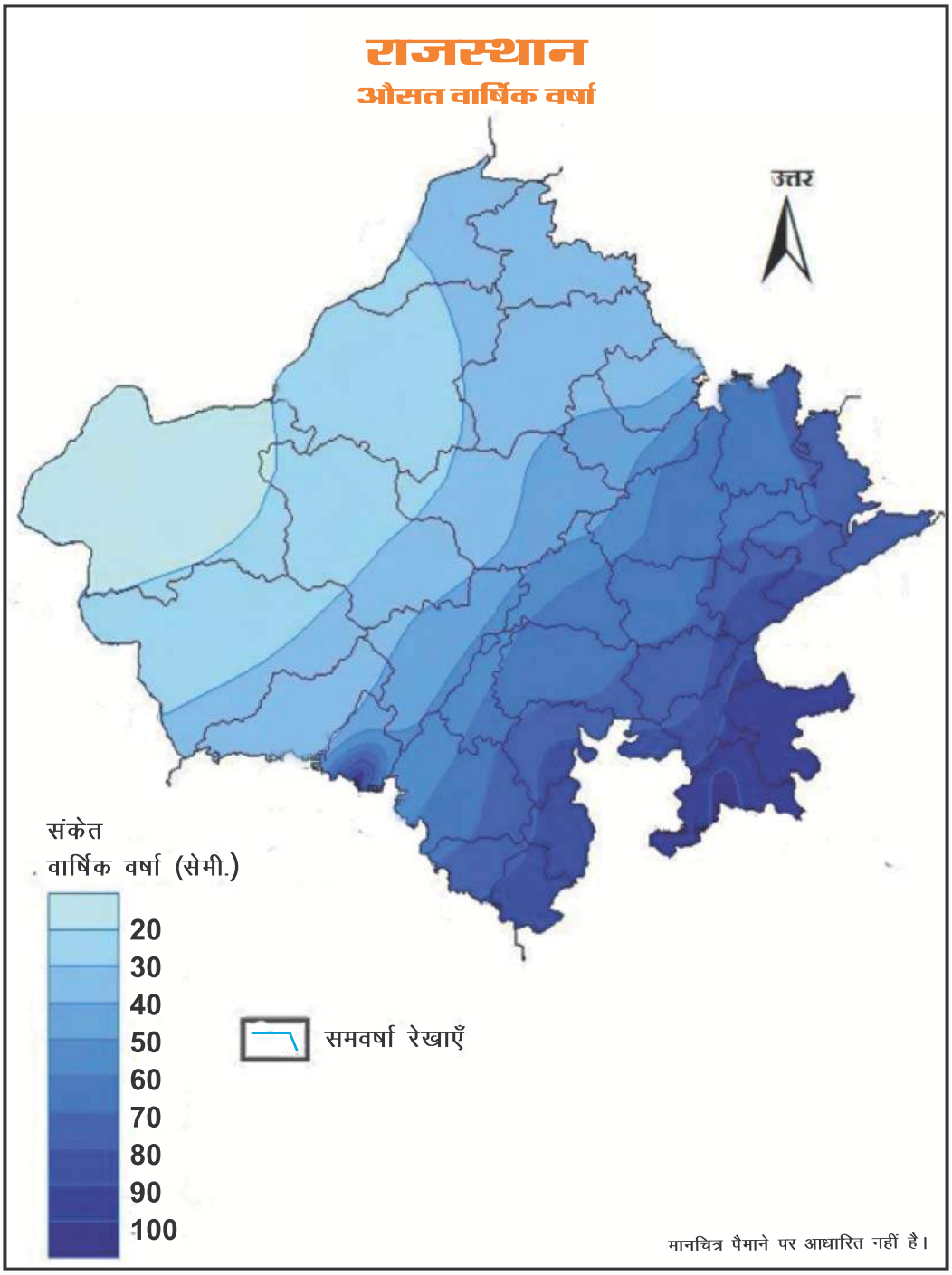

झालावाड़ जिले (लगभग 100 से.मी.) में होती है जिसे राजस्थान का सबसे आर्द्र जिला माना जाता है। सबसे कम वर्षा जैसलमेर जिले (लगभग 10 से.मी.) में होती है। सबसे अधिक वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान माउंट आबू है जहाँ औसत वर्षा 150 से.मी. होती है। राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी भाग से उत्तरी–पश्चिमी भाग की ओर वर्षा लगातार कम होती जाती है। अरावली के पूर्व में 50 से.मी. से अधिक और पश्चिम में 50 से.मी. से

कम वर्षा होती है। अतः अरावली के सहारे 50 से.मी. समवर्षा रेखा राजस्थान को दो भागों में विभाजित करती है।

शीत ऋतु—राजस्थान में शीत ऋतु में तापमान धीरे–धीरे कम होता जाता है। पश्चिमी राजस्थान में रेत के अत्यधिक ठंडी हो जाने से तापमान 0° सेण्टीग्रेड तक चला जाता है। ऊँचाई के कारण ही इस ऋतु में माउंट आबू राजस्थान में अधिक ठंडा रहता है। इस ऋतु में आकाश साफ रहता है और मंद–मंद गति से पवनें चलती हैं। हिमालय कि ओर से आने वाली ठंडी पवनों को 'शीत लहर' कहा जाता है।

क्या आप जानते हैं

भारत में शीत ऋतु में होने वाली वर्षा को 'मावठ' या 'पश्चिमी विक्षोभ' कहा जाता है। ये चक्रवात भूमध्य सागर से आकर राजस्थान सहित उत्तरी–पश्चिमी भारत में वर्षा करते हैं। इस वर्षा से गेहूँ की फसल को लाभ मिलता है।

अकाल और मरूस्थलीकरण

राजस्थान में वर्षा सामयिक, अपर्याप्त, अनिश्चित एवं अनियमित होती है तथा वर्षा का वितरण भी असमान है। अतः राज्य को बार-बार अकाल और सूखे की स्थिति से निपटना पड़ता है। पश्चिमी राजस्थान का अधिकांश क्षेत्र प्रतिवर्ष सूखे का सामना करता है। इसी सूखे के कारण पशु–पक्षियों के लिये चारा, पानी, मनुष्यों के लिए अनाज व पेयजल की कमी की स्थिति हो जाती है जिसे अकाल कहा जाता है। कम वर्षा यहाँ की जलवायु का प्राकृतिक स्वभाव है, लेकिन मानवीय स्वार्थों ने जिस तरह विवेकहीन ढंग से वनों की कटाई की है, भूमिगत जल का अतिदोहन किया है, पारंपरिक जल संसाधन प्रबंधन की उपेक्षा की है उसका प्रतिकूल प्रभाव प्रदेश के पारितंत्र पर पड़ा है।

भौतिक एवं मानवीय कार्यो द्वारा जब उपजाऊ भूमि बंजर एवं रेतीली मिट्टी में परिवर्तित हो जाती है तो उस क्रिया को मरुस्थलीकरण कहते हैं। राजस्थान के पश्चिमी भाग में लगातार मरूस्थल का विस्तार हो रहा है, फिर भी पंक्तिबद्ध वृक्षारोपण कर वर्तमान में इसे कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

आओ करके देखें–

1. आपका जिला किस भौतिक प्रदेश में स्थित है? पहचान कर उस भौतिक प्रदेश की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।
2. अपने शिक्षक की सहायता से राजस्थान के रूपरेखा मानचित्र में समवर्षा रेखाओं द्वारा वर्षा के वितरण को दर्शाइए।

शब्दावली

बंजर – अनुपजाऊ
भू–गर्भिक – पृथ्वी के अन्दर
अतिदोहन – अधिक उपयोग
बीहड़ (उत्खात भूमि) – नदी जल के कटाव से बनी उबड़–खाबड़ भूमि
समवर्षा रेखा – मानचित्र पर समान वर्षा वाले स्थानों को जोड़ने वाली काल्पनिक रेखाएँ

अभ्यास प्रश्न

1. सही विकल्प को चुनिए–

   (i) राजस्थान को कितने भौतिक प्रदेशों में विभाजित किया जाता है–

   (क) चार (ख) पाँच (ग) तीन (घ) दो ( )

   (ii) राजस्थान में माउंट आबू के सबसे ठंडा रहने का प्रमुख कारण है–

   (क) पथरीला धरातल (ख) अधिक ऊँचाई

   (ग) अधिक वर्षा (घ) जल स्रोत ( )

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

   अ. राजस्थान की जलवायु पर भारत की ..... जलवायु का स्पष्ट प्रभाव है।

   ब. बालुका स्तूप को स्थानीय भाषा में .....कहते हैं।

   स. थार के मरुस्थल का अधिकांश भूमिगत जल..... है।

   द. राजस्थान में अरावली पर्वत की सबसे ऊँची पर्वत चोटी ..... है।

3. 'लू' क्या है? समझाइए।
4. मावठ किसे कहते हैं? इससे हमें क्या लाभ है?
5. उत्खात भूमि कहाँ स्थित है? इसकी प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
6. मरुस्थलीकरण को रोकने के उपाय बताइए।
7. राजस्थान की ऋतुओं का वर्णन कीजिए।
8. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के नाम लिखते हुए उनकी प्रमुख विशेषताएँ बताइए।